

HIGH COURT OF JUDICATURE FOR RAJASTHAN
BENCH AT JAIPUR

S.B. Criminal Miscellaneous 2nd Bail Application No. 956/2026
URN: CRLMB / 1738U / 2026

Devsukh Bishnoi S/o Ganpatram, Aged About 40 Years, R/o
Dholeriya Shasan, Police Station Jaitpur, District Pali (Raj.) (At
Present Accused Confined In Central Jail, Jaipur).

----Petitioner

Versus

Union Of India, Through Narcotics Control Bureau Through
Standing Counsel

----Respondent

For Petitioner(s)	:	श्री निर्मल कुमार शर्मा
For Respondent(s)	:	श्री तेज प्रकाश शर्मा, विशिष्ट लोक अभियोजक

HON'BLE MR. JUSTICE VINOD KUMAR BHARWANI

Order

<u>Reserved on</u>	::	<u>20/07/2026</u>
<u>Pronounced on</u>	::	<u>21/07/2026</u>

प्रार्थी/अभियुक्त की ओर से अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित आक्षेपित
आदेश दिनांक—**13.08.2025** के विरुद्ध यह द्वितीय जमानत आवेदन पत्र
अन्तर्गत धारा 483 बी.एन.एस.एस. उसे प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या
VIII(IO)08/NCB/JZU/2019 स्वापक नियंत्रण ब्यूरो, क्षेत्रीय ईकाई, जोधपुर,
प्रकरण संख्या **11/2020** अपराध अन्तर्गत धारा **8/20, 8/25, 8/29 एन.डी.**
पी.एस.एक्ट में नियमित जमानत प्रदान किये जाने के संबंध में प्रस्तुत किया
गया है ।

प्रार्थी/अभियुक्त की ओर से प्रस्तुत प्रथम जमानत आवेदन पत्र प्रत्याहृत
किए जाने के आधार पर निरस्त किया गया है ।

बहस सुनी गई ।

योग्य अधिवक्ता प्रार्थी/अभियुक्त का तर्क है कि प्रार्थी/अभियुक्त दिनांक 09.07.2025 से अभिरक्षा में है। उससे कोई बरामदगी नहीं हुयी है । बरामदगी सह अभियुक्त गोकलराम बिश्नोई व रामजीवन से होना बताया गया है । मात्र गोकलराम व रामजीवन के बयानों के आधार पर उसे इस प्रकरण में संलिप्त किया जा रहा है । उनका यह भी निवेदन है कि अधिनियम की धारा-52 व संबंधित आज्ञापक प्रावधानों की भी पालना नहीं की गई है । प्रकरण में इन्वेन्टरी देरी से करवायी गई है जिसमें कोई स्वतंत्र साक्षी नहीं रखा गया है । प्रकरण की अन्वीक्षा में समय लगने की संभावना है अतः जमानत आवेदन पत्र स्वीकार किया जावे ।

उन्होंने अपने तर्कों के समर्थन में निम्नलिखित न्यायिक दृष्टांत प्रस्तुत किए हैं :-

1. Mohanlal Vs. State of Rajasthan – S.B. Criminal Miscellaneous 2nd Bail Application No. 1636/2024 decided on 25.04.2024
2. Rakesh Kumar Sharma Vs. Central Bureau of Narcotics – S.B. Criminal Misc. 2nd Bail Application No. 3107/2025 decided on 13.08.2025
3. Bhuttaram Bishnoi Vs. State of Rajasthan – S.B. Criminal Miscellaneous Bail Application No. 450/2025 decided on 07.03.2025
4. Amit Sutradhar Vs. State of Rajasthan – S.B. Criminal Miscellaneous Bail Application No. 15729/2023 decided on 03.06.2024
5. Saubhagya Singh Vs. Union of India - S.B. Criminal Miscellaneous Bail Application No. 2522/2023 decided on 04.10.2023
6. Dharamveer Vs. The State of Rajasthan - S.B. Criminal Miscellaneous Bail Application No. 15917/2025 decided on 06.01.2026
7. Binder Singh Vs. State of Rajasthan - S.B. Criminal Miscellaneous Bail Application No. 14486/2025 decided on 09.12.2025
8. Mukesh Sansi Vs. State of Rajasthan - S.B. Criminal Miscellaneous 2nd Bail Application No. 12932/2024 decided on 06.12.2024
9. Balli @ Balveer Vs. State of Rajasthan - S.B. Criminal Miscellaneous Bail Application No. 7332/2024 decided on 04.11.2024
10. Gograj Vs. State of Rajasthan - S.B. Criminal Miscellaneous 3rd Bail Application No. 9274/2023 decided on 11.08.2023
11. Rahul Patidar Vs. State of Rajasthan - S.B. Criminal Miscellaneous Bail Application No. 1398/2025 decided on 29.01.2025
12. Vinay Murjhani Vs. State of Rajasthan - S.B. Criminal Miscellaneous Bail Application No. 7118/2024 decided on 12.06.2024
13. Radheyshyam Vs. State of Rajasthan - S.B. Criminal Miscellaneous Bail Application No. 6712/2024 decided on 12.09.2024
14. Abhishek Jat Vs. The State of Rajasthan - S.B. Criminal Miscellaneous Bail Application No. 4033/2024 decided on 20.04.2024
15. Mehtab Singh Pamar Vs. The State of Rajasthan - S.B. Criminal Miscellaneous Bail Application No. 5496/2026 decided on 02.07.2026
16. Raju Basuniya Vs. Central Bureau of Narcotics - S.B. Criminal Miscellaneous 2nd Bail Application No. 3805/2026 decided on 08.05.2026

17. Ramniwas Naradhaniya Vs. State of Rajasthan - S.B. Criminal Miscellaneous 2nd Bail Application No. 15729/2023 decided on 29.06.2026
18. Sohrab Khan Vs. The State of Madhya Pradesh – Special Leave to Appeal (Crl.) No. 7115/2024 decided on 13.08.2024
19. Rambabu Vs. State of Rajasthan & Anr. - Special Leave to Appeal (Crl.) No. 5648/2024 decided on 13.08.2025
20. Mohammed Khalid and Anr. Vs. The State of Telangana 2024 INSC 158
21. Shambhulal Gurjar @ Rohit Vs. State of Rajasthan – Special Leave to Appeal (Crl.) No. 16671/2024 decided on 10.01.2025

इसके विपरीत योग्य विशिष्ट लोक अभियोजक का तर्क रहा है कि इस प्रकरण में सह अभियुक्तगण गोकलराम व रामजीवन के कब्जे से 860 किलोग्राम डोडापोस्त बरामद हुआ है। अभियुक्त रामजीवन की गिरफ्तारी के दौरान तलाशी में रामजीवन के कब्जे से अभियुक्त देवसुख बिश्नोई का ए.टी.एम.कार्ड मिला जो कब्जे में लिया गया। उक्त ए.टी.एम. कार्ड के माध्यम से रामजीवन द्वारा दिनांक 20.05.2019 को गया में ट्रान्जेक्शन किया गया है। बरामदशुदा डोडापोस्त का मुख्य रिसीवर देवसुख ही रहा है, उसके विरुद्ध परिवाद प्रस्तुत किया गया है परन्तु अभियुक्त गिरफ्तारी से बचता रहा है। उसे दिनांक 09.07.2025 को गिरफ्तार किया जाकर पूरक आरोप पत्र प्रस्तुत किया गया है। बरामदशुदा मादक पदार्थ की मात्रा वाणिज्यिक श्रेणी की रही है इस कारण अधिनियम की धारा 37 के प्रावधान आकर्षित होते हैं। याची/अभियुक्त के विरुद्ध अनुसंधान के दौरान कड़ीबद्ध साक्ष्य भी प्रकट हुयी है। अनुसंधान के दौरान कॉल डिटेल् भी प्राप्त की गई है। उनका यह भी निवेदन है की प्रार्थी/अभियुक्त के विरुद्ध पूर्व में भी एन.डी.पी.एस. एक्ट के अन्य आपराधिक प्रकरण दर्ज/विचाराधीन हैं, अपराध की प्रकृति गंभीर है अतः जमानत आवेदन पत्र निरस्त किया जावे।

उन्होंने अपने तर्कों के समर्थन में निम्नलिखित न्यायिक दृष्टांत प्रस्तुत किए हैं:—

1. Jarnail Singh Vs. State of Punjab 2011 (3) SCC 521
2. State of Himachal Pradesh Vs. Pawan Kumar AIR 2005 SC 2265
3. State of Maharashtra Vs. Natwarlal Damodar Das Soni 1980 (4) SCC 669
4. Jothi Nagajothi Vs. The State represented by the Inspector of the Police 2025 INSC 1417

5. Mukesh Singh Vs. State (Narcotic Branch of Delhi) AIR 2020 SC 4794
6. Narcotics Control Bureau Vs. Kashif 2024 INSC 1045
7. Khet Singh Vs. Union of India 2002 (4) SCC 380
8. Vijay Meena Vs. State of Rajasthan – S.B. Criminal Writ Petition No. 770/2026 decided on 10.04.2026
9. State of Punjab Vs. Balraj Singh @ Billa 2026 INSC 618

हमने दोनों पक्षों द्वारा प्रस्तुत तर्कों व वितर्कों पर मनन किया। प्रकरण में मुख्य रूप से गोकलराम व रामजीवन से 860 किलोग्राम डोडापोस्त की बरामदगी हुयी है। उसी समय रामजीवन की गिरफ्तारी के दौरान तलाशी में रामजीवन के कब्जे से प्रार्थी अभियुक्त देवसुख का ए.टी.एम.कार्ड मिला है। बरामदगी से दो दिन पहले गया में उस ए.टी.एम. कार्ड से ट्रान्जेक्शन भी हुआ है। इसके अतिरिक्त उक्त दोनों अभियुक्तगण के मध्य कॉल डिटेल् व अन्य साक्ष्य भी अनुसंधान के दौरान प्रकट हुयी है। यह भी प्रकट है कि याची के विरुद्ध इस प्रकरण के अतिरिक्त अन्य दो प्रकरण एन.डी.पी.एस. एक्ट से संबंधित दर्ज हुए हैं जिसमें एक प्रकरण में वह दोषमुक्त हुआ है व इस प्रकरण के अतिरिक्त एक अन्य एन.डी.पी.एस. एक्ट के प्रकरण का विचारण भी चल रहा है। प्रकरण में बरामदशुदा मादक पदार्थ की वाणिज्यिक मात्रा को दृष्टिगत रखते हुए धारा 37 एन.डी.पी.एस. एक्ट की दोनों शर्तों का समाधान नहीं हुआ है।

अतः अनुसंधान के दौरान प्रार्थी के संबंध में संकलित की गई साक्ष्य की प्रकृति, बरामदशुदा मादक पदार्थ की वाणिज्यिक मात्रा, प्रकरण की तथ्यात्मक स्थिति व अन्य परिस्थितियों पर विचार करने के बाद, प्रकरण के गुणावगुण पर कोई अंतिम राय व्यक्त किए बिना प्रार्थी को इस स्तर पर जमानत की सुविधा दिया जाना न्यायोचित प्रतीत नहीं होता है।

परिणामतः प्रार्थी **देवसुख बिश्नोई पुत्र गणपतराम** की ओर से प्रस्तुत यह द्वितीय जमानत आवेदन पत्र निरस्त किया जाता है।

(VINOD KUMAR BHARWANI),J